वैचारिक भिन्नता रचनात्मकता की आत्मा: एमके रैना

सीयूजे

विशेष व्याख्यान

- केंद्रीय विश्वविद्यालय में व्याख्यान शृंखला की हुई शुरुआत
- साहित्य अकादमी से पुरस्कृत एमके रैना ने संबोधित किया

रांची | प्रमुख संवाददाता

केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड (सीयूजे) में गुरुवार को व्याख्यान शृंखला के तहत प्रख्यात रंगकर्मी व संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित एमके रैना का व्याख्यान आयोजित किया गया।

उन्होंने रचनात्मकता और मतभेद विषय पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि आप पुराने से कुछ नया पाने का सवाल करते हैं, तो यह रचनात्मकता होती है। एमके रैना ने मतभेद की पूरी भारतीय परंपरा को केंद्रित करते हुए नाट्यशास्त्र, अभिनवगुप्त, भास, भक्ति, सूफी आंदोलन और स्वाधीनता संग्राम पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने भारतीय परंपरा पर जोर दिया व कहा कि किस तरह से कुछ नया किया जा सकता है। एके रैना सीयूजे में कला के छात्रों और थिएटर के प्रति रुझान रखनेवालों के लिए दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन कर रहे हैं। इस कार्यशाला के समन्वयक डॉ वेंकट नरेश हैं।

सीयूजे में गुरुवार को मुख्य अतिथि का किया गया स्वागत। • हिन्दुस्तान

कुलपति प्रो नंद कुमार यादव इंदु ने कहा कि विश्वविद्यालय में व्याख्यान शृंखला का आयोजन विभिन्न संकायों, विद्वानों और छात्रों के बीच अंतःविषय संवाद को बढ़ावा देने के उद्देश्य किया जा रहा है। इसमें प्रासंगिक मुद्दों पर अपने-अपने क्षेत्र के प्रमुख व्यक्तियों व शिक्षाविदों को आमंत्रित किया जाता है।

सत्र का संचालन डॉ सुदर्शन यादव ने किया। मौके पर प्रो सारंग मेधेकर, डॉ रजनीकांत पांडेय व डॉ शिवेंद्र प्रसाद समेत अन्य शिक्षकगण व बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद थे।